Research Article | Education | E-ISSN No : 2454-9916 | Volume : 11 | Issue : 9 | September 2025

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा के सन्दर्भ में

पूजा[1], डॉ. एस. एस. कुशवाहा[2]

[1] शोध छात्रा, शिक्षा संस्थान, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

[2] आचार्य, राजकीय महिला महाविद्यालय, झाँसी (उ.प्र.)

ABSTRACT

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली में एक ऐतिहासिक एवं व्यापक परिवर्तन का प्रयास है, जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा को समावेशी, लचीला, गुणवत्तापूर्ण, तकनीकी रूप से सक्षम तथा वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। यह नीति बहु–विषयक शिक्षा, अकादमिक लचीलापन, डिजिटल शिक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने जैसे अनेक पहलुओं को सम्मिलित करती है। नीति के अंतर्गत "अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट", "राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान", एवं "राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा आयोग" जैसे नवाचार–आधारित प्रावधानों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच को सुदृढ़ किया गया है। साथ ही, मातृभाषा में शिक्षा, भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश, एवं नैतिक मूल्यों पर बल देकर शिक्षा को जीवन से जोड़ने का प्रयास किया गया है। यह शोध पत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षा क्षेत्र में किए गए प्रमुख सुधारों, उनके उद्देश्य, प्रभावों एवं शैक्षिक निहितार्थों का विश्लेषण करता है। यदि यह नीति प्रभावी रूप से लागू होती है, तो यह भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक सशक्त आधार सिद्ध हो सकती है।

KEYWORDS: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, उच्च शिक्षा

1. परिचय (Introduction)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020) भारत की शिक्षा प्रणाली में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी परिवर्तन का प्रतीक है। 29 जुलाई 2020 को भारत सरकार द्वारा इसे औपचारिक रूप से घोषित किया गया। यह नीति वर्ष 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जगह आई है, जो लगभग 34 वर्षों तक भारत की शिक्षा प्रणाली की दिशा और संरचना निर्धारित करती रही। इतने लंबे अंतराल के बाद यह नई नीति 21वीं सदी की आवश्यकताओं, वैश्विक परिवर्तनों, डिजिटल युग की मांगों, और विद्यार्थियों के समग्र विकास की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

यह नीति **स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक** के समस्त ढांचे को एक समग्र दृष्टिकोण के साथ पुनर्गठित करने का प्रयास करती है। इसका उद्देश्य शिक्षा को केवल परीक्षा–आधारित प्रणाली से हटाकर **सीखने की प्रक्रिया को रोचक, लचीला, व्यावहारिक, नैतिक और बहु–विषयक** बनाना है। साथ ही यह नीति छात्रों में **रचनात्मकता, नवाचार, तर्कशीलता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण** को विकसित करने पर बल देती है।

विशेष रूप से **उच्च शिक्षा** के क्षेत्र में यह नीति अनेक **गुणात्मक और संरचनात्मक सुधारों** का प्रस्ताव देती है। जैसे कि बहु–विषयक संस्थानों की स्थापना, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ABC), चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रणाली, उच्च शिक्षा आयोग का गठन, अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान (NRE) की स्थापना, शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार हेतु फैकल्टी विकास कार्यक्रम, और डिजिटल शिक्षा के विस्तार जैसे पहलुओं को विशेष महत्व दिया गया है। यह सब पहलू इस बात का संकेत देते हैं कि नीति केवल संस्थागत परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह **शिक्षा की संकल्पना और प्रक्रिया** को ही रूपांतरित करने का दृष्टिकोण रखती है।

इस नीति के केंद्र में **छात्र** को रखा गया है, और उसे उसकी **रुचियों, क्षमताओं और लक्ष्यों** के अनुसार शिक्षा चुनने की स्वतंत्रता दी गई है। इससे शिक्षा अधिक **व्यक्तिनिष्ठ और जीवनोपयोगी** बनती है। शिक्षा को मातृभाषा में प्रारंभिक स्तर तक उपलब्ध कराने की बात करके नीति ने **भाषाई विविधता** को भी सम्मान देने का प्रयास किया है।

इसके अतिरिक्त, यह नीति वंचित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदायों की शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए अनेक उपाय सुझाती है, जिससे शिक्षा अधिक **समावेशी और न्यायसंगत** बन सके। साथ ही, भारत की **प्राचीन ज्ञान परंपरा**, जैसे योग, आयुर्वेद, दर्शन आदि को भी पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने की बात कही गई है, जिससे शिक्षा प्रणाली भारतीयता से भी जुड़ी रहे।

संक्षेप में कहा जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल एक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह एक **शिक्षा दर्शन** है, जो भारत की युवा पीढ़ी को वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करने की **दूरदर्शी योजना** है। यह नीति भारत को **वैश्विक ज्ञान महाशक्ति** बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

2. शोध की आवश्यकता एवं उद्देश्य (Need and Objectives of the Study)

इस शोध का उद्देश्य निम्नलिखित बिंदुओं पर केंद्रित है:

- यह मूल्यांकन करना कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए क्या रणनीतियाँ अपनाती है।
- यह जानना कि यह नीति अनुसंधान, शिक्षण गुणवत्ता, डिजिटल शिक्षा और संस्थागत ढांचे में किस प्रकार सुधार लाती है।
- यह समझना कि यह नीति वंचित वर्गों (SC, ST, OBC, महिलाएं आदि) के लिए उच्च शिक्षा को कैसे सुलभ बनाती है।
- यह विश्लेषण करना कि किस प्रकार यह नीति भारत को "वैश्विक ज्ञान महाशक्ति" बनाने की दिशा में कार्य कर सकती है।

3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षा में प्रमुख सुधार (Key Reforms in Higher Education under NEP 2020)

3.1 बहु–विषयक शिक्षा प्रणाली (Multidisciplinary Education)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा को **बहु–विषयक और लचीला** बनाने पर विशेष बल दिया गया है। अब छात्रों को यह स्वतंत्रता होगी कि वे विज्ञान, वाणिज्य, मानविकी जैसे विभिन्न धाराओं के विषयों को एक साथ चुन सकें। यह प्रणाली पारंपरिक विषय वर्गीकरण को तोड़कर **ज्ञान के समग्र विकास** पर बल देती है। नीति का लक्ष्य है कि वर्ष 2040 तक सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को **बहु–विषयक शिक्षण संस्थानों** में परिवर्तित किया जाए, जहाँ कम से कम 3,000 विद्यार्थी अध्ययनरत हों और सभी प्रमुख संकायों की पढ़ाई उपलब्ध हो।

3.2 स्नातक डिग्री की नई संरचना (Flexible Undergraduate Degree Structure)

नई नीति में **स्नातक डिग्री कार्यक्रम को लचीला** बनाते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न स्तरों पर एक्ज़िट और एंट्री की सुविधा दी गई है:

- 1 **वर्ष** की पढ़ाई पर **सर्टिफिकेट**
- 2 **वर्ष** की पढ़ाई पर **डिप्लोमा**
- 3 **वर्ष** की पढ़ाई पर **सामान्य स्नातक डिग्री**
- 4 **वर्ष** की पढ़ाई पर **रिसर्च के साथ स्नातक डिग्री**

यह प्रणाली छात्रों को अपनी गति से पढ़ाई करने, किसी कारणवश पढ़ाई रोकने की स्थिति में भी योग्यता प्राप्त करने, और भविष्य में फिर से पढ़ाई शुरू करने का अवसर देती है।

3.3 अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (Academic Bank of Credit & ABC)

ABC एक **डिजिटल स्टोरहाउस** है जहाँ छात्रों के अर्जित क्रेडिट्स को डिजिटल रूप में संग्रहित किया जाएगा। छात्र **विभिन्न संस्थानों से अर्जित क्रेडिट्स** को एकत्र कर जब चाहे तब **डिग्री प्राप्ति** के लिए उनका उपयोग कर सकते हैं। इससे शिक्षा प्रणाली में **लचीलापन, गतिशीलता और आजीवन शिक्षा** को बढ़ावा मिलेगा।

3.4 राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा आयोग (Higher Education Commission of India & HECI)

NEP 2020 के अंतर्गत न्ळब् और ।प्ब्ज्म जैसी संस्थाओं को मिलाकर एक एकीकृत नियामक निकाय दृ भ्म्ब् का गठन प्रस्तावित है। भ्म्ब् के अंतर्गत चार स्वतंत्र इकाइयाँ होंगी:

- NHERC – उच्च शिक्षा के लिए नियमन निकाय
- NAC – प्रत्यायन (Accreditation) का निकाय
- HEGC – अनुदान वितरण का निकाय
- GEC – पाठ्यक्रम निर्धारण और मूल्यांकन निकाय

यह ढाँचा उच्च शिक्षा प्रणाली को अधिक **पारदर्शी, कुशल और उत्तरदायी** बनाएगा।

3.5 अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा (Promotion of Research and Innovation)

नीति के अनुसार, **राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान** (National Research Foundation & NRF) की स्थापना की जाएगी जो पूरे देश में अनुसंधान को समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करेगा। यह संस्थान उच्च गुणवत्ता वाले शोध को फंडिंग, नेटवर्किंग और विशेषज्ञता के माध्यम से प्रोत्साहित करेगा। साथ ही, शिक्षकों के लिए **अनुसंधान अभिविन्यास** और **सतत विकास कार्यक्रम** चलाए जाएंगे।

3.6 मातृभाषा और भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन (Promotion of Mother Tongue & Indian Languages)

NEP 2020 में स्पष्ट कहा गया है कि जहां संभव हो, वहां **स्नातक स्तर तक मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा** में शिक्षा दी जानी चाहिए। इसके लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण सामग्री विभिन्न भाषाओं में विकसित की जाएगी। साथ ही, भारतीय ज्ञान परंपरा दृ जैसे कि योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, गणित, खगोल आदि को पाठ्यक्रमों में समाविष्ट किया जाएगा। इससे शिक्षा प्रणाली भारतीय संस्कृति से भी जुड़ी रहेगी।

3.7 डिजिटल शिक्षा और प्रौद्योगिकी का समावेश (Integration of Digital and Online Education)

NEP 2020 डिजिटल युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए **ऑनलाइन शिक्षा, ई–लर्निंग और टेक्नोलॉजी इनेबल्ड लर्निंग** को बढ़ावा देती है। SWAYAM, DIKSHA जैसे प्लेटफार्मों को और विस्तारित करने की योजना है। इससे शिक्षा की पहुँच दूरदराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों तक सुनिश्चित की जा सकेगी। डिजिटल माध्यम से छात्रों को **सीखने की लचीलापन, सामग्री की विविधता और व्यक्तिगत गति से पढ़ाई** करने का अवसर मिलेगा।

3.8 संस्थानों का श्रेणीकरण (Categorization of Higher Education Institutions)

उच्च शिक्षण संस्थानों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा:

1. शोध–प्रधान विश्वविद्यालय (Research&Intensive Universities)
2. शिक्षण–प्रधान विश्वविद्यालय (Teaching&Intensive Universities)
3. स्वायत्त कॉलेज (Autonomous College)

इस वर्गीकरण का उद्देश्य संस्थानों को उनके उद्देश्यों और कार्यों के आधार पर परिभाषित करना है, जिससे **स्पष्ट उत्तरदायित्व और दक्षता** सुनिश्चित की जा सके।

3.9 स्वायत्तता और विकेंद्रीकरण (Autonomy and Decentralization)
नई नीति संस्थानों को **शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता** प्रदान करने की सिफारिश करती है। उच्च शिक्षण संस्थानों को **मान्यता, ग्रेडिंग और प्रदर्शन** के आधार पर **स्वशासन** का अधिकार दिया जाएगा। इससे संस्थानों में **प्रबंधन की पारदर्शिता**, नवाचार और उत्तरदायित्व की भावना विकसित होगी।

3.10 नैतिक मूल्य और संस्कृति पर बल (Focus on Ethics and Indian Culture)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा को केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित न रखकर उसमें **नैतिकता, भारतीय संस्कृति, और नागरिकता मूल्य** जैसे आयामों को भी समाहित किया गया है। छात्रों को **संवेदनशील नागरिक** और **चरित्रवान व्यक्तित्व** के रूप में विकसित करने की दृष्टि से पाठ्यक्रमों में **नैतिक शिक्षा, पर्यावरण चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व** जैसे विषयों को शामिल करने की बात कही गई है।

4. शैक्षिक निहितार्थ (Educational Implications)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के तहत प्रस्तावित सुधार केवल ढाँचागत नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा प्रभाव शिक्षा की प्रक्रिया, पद्धति और उद्देश्य पर पड़ेगा। यह नीति पारंपरिक शिक्षा दृष्टिकोण को पुनर्परिभाषित करती है, जहाँ शिक्षा अब केवल डिग्री अर्जन का माध्यम न रहकर चरित्र निर्माण, नैतिक विकास, और व्यावहारिक ज्ञान का केंद्र बन जाएगी।

4.1 शिक्षा का उद्देश्य व्यापक होगा
अब शिक्षा केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह मूल्य आधारित, नैतिक, और सामाजिक जिम्मेदारी से परिपूर्ण शिक्षा प्रणाली का निर्माण करेगी। विद्यार्थियों को समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनाने पर बल दिया जाएगा।

4.2 छात्र–केंद्रित लचीलापन
नीति में छात्रों को अपनी रुचियों और क्षमताओं के अनुसार विषयों के चयन की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। यह बहु–विषयक और लचीली पाठ्यक्रम प्रणाली उन्हें एक समग्र शिक्षा का अनुभव देगी, जिससे उनका बौद्धिक, भावनात्मक और व्यावसायिक विकास सुनिश्चित हो सके।

4.3 शिक्षकों की भूमिका में परिवर्तन
शिक्षकों को अब केवल ज्ञान संप्रेषक नहीं बल्कि मार्गदर्शक, नवोन्मेषक और अधिगम सहयोगी के रूप में देखा जाएगा। इसके लिए नीति के अंतर्गत निरंतर शिक्षक प्रशिक्षण, प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन, और प्रोत्साहन प्रणाली की व्यवस्था की गई है।

4.4 डिजिटल माध्यम से शिक्षा की पहुँच
डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन कोर्स, और ई–लर्निंग की सुविधा से दूरदराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की पहुँच संभव होगी। यह डिजिटल समावेशन शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगा।

5. निष्कर्ष (Conclusion)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में दूरगामी और समग्र परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नीति पहल है। यह नीति उच्च शिक्षा को अधिक लचीला, समावेशी, बहु–विषयक, तकनीक–सम्मत और नैतिकता पर आधारित बनाती है।

नीति का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के साथ–साथ उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। यह भारत को ज्ञान–आधारित समाज बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

यदि इस नीति को समुचित नीति–निर्माण, क्रियान्वयन और निगरानी प्रणाली के अंतर्गत प्रभावशाली रूप से लागू किया गया, तो यह भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

6. सिफारिशें (Recommendation)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को जमीनी स्तर पर सफलतापूर्वक लागू करने हेतु कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशें निम्नलिखित हैं:

6.1 राज्य सरकारों और संस्थानों के बीच समन्वय
नीति का क्रियान्वयन तभी सफल होगा जब राज्य सरकारें, केंद्र सरकार, और शिक्षण संस्थान आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। नीति के लक्ष्यों को साकार करने के लिए राज्य स्तर पर कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए।

6.2 शिक्षक प्रशिक्षण को प्राथमिकता
शिक्षकों की भूमिका नीति के क्रियान्वयन में केंद्रीय है। इसलिए नवाचार आधारित, तकनीक समर्थ और मूल्य आधारित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से चलाया जाना चाहिए।

6.3 डिजिटल अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण
गांवों और पिछड़े क्षेत्रों में इंटरनेट, स्मार्ट डिवाइसेज़, और ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म की पहुँच बढ़ाना अनिवार्य है। सरकार को डिजिटल शिक्षा के लिए वित्तीय और तकनीकी निवेश बढ़ाना चाहिए।

6.4 वंचित वर्गों को विशेष सहायता
एससी, एसटी, ओबीसी, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और महिलाओं के लिए छात्रवृत्ति, शुल्क माफी, और विशेष प्रवेश योजनाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि शिक्षा की समानता का सिद्धांत सुनिश्चित किया जा सके।

6.5 निगरानी और मूल्यांकन प्रणाली का विकास
नीति के क्रियान्वयन की निरंतर निगरानी और मूल्यांकन के लिए एक

स्वतंत्र और पारदर्शी तंत्र का निर्माण आवश्यक है, ताकि समय–समय पर नीति के प्रभाव का आकलन किया जा सके।

REFERENCES

1. ResearchGate. (n.d.). National Education Policy 2020: Current issues and reimagining the future of higher education. https://www.researchgate.net/publication/ 374152057_National_Education_Policy_2020_Current_Issues_and_Reimagining_the_Future_of_Higher_Education
2. ResearchGate. (n.d.). Impact of New Education Policy 2020 on Higher Education. https://www.researchgate.net/publication/346654722_Impact_of_New_Education_Policy_2020_on_Higher_Education
3. Soni, M., & Dahiya, V. T. (2024). Exploring the influence of India's National Education Policy 2020 on student social skill development. International Journal of Indian Psychology, 12(2), 4254–4258. https://doi.org/10.25215/1202.380
4. Kumar, A. (2021). New education policy (NEP) 2020: A roadmap for India 2.0. In W. B. James, C. Cobanoglu, & M. Cavusoglu (Eds.), Advances in global education and research (Vol. 4, pp. 1–8). USF M3 Publishing. https://doi.org/10.5038/9781955833042
5. Smitha, S. (2020). National Education Policy (NEP) 2020 – Opportunities and challenges in teacher education. International Journal of Management, 11(11), 1881–1886.
6. Gupta, B. L., & Choubey, A. K. (2021). Higher education institutions – Some guidelines for obtaining and sustaining autonomy in the context of NEP 2020. International Journal of All Research Education and Scientific Methods (IJARESM), 9(1). https://www.ijaresm.com
7. Soni, M. (n.d.). A literature survey on National Education Policy 2020 (NEP 2020) and libraries. International Journal of Multidisciplinary Educational Research. (2021). Volume 10, Issue 2(5). ISSN: 2277-7881. Impact Factor: 6.514. IC Value: 5.16. ISI Value: 2.286.